

महाविद्यालय खरसिया में छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला सम्पन्न

» हिन्दी विभाग का साप्ताहिक आयोजन

रायगढ़@किरणदूत

छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर 22 से 27 नवम्बर 2021 तक शासकीय महात्मा गांधी ज्ञातकोश्र महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिषद् प्रभारी डॉ० रमेश टण्डन के मुख्य संयोजन, प्रो० जयराम कुरें तथा प्रो० दिनेश संजय के सह संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिदिन अलग-अलग विषय बस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ। कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्य के कवि व लेखकों ने पूरी विद्वता के साथ अपने विचारों को एम ए हिन्दी के छात्रों तक प्रत्यक्ष सम्प्रेषित किया।

प्रथम दिवस, कविद्वय भरत नायक व निर्भय गुप्ता के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप और व्याकरण पर प्रस्तुति दी गई। विभागीय अंतिथ व्याख्याता डॉ० आकांक्षा मिश्ना के मंत्र संचालन में कार्यशाला के द्वितीय दिवस,



कवयित्री किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव, विकास और व्याकरण पर अपने विचार से छात्रों को अवगत कराया। प्राचार्य डॉ० पी. सी. घृतलहरे के संरक्षण में सम्पन्न इस कार्यशाला के तृतीय दिवस, प्रसिद्ध कविद्वय गुलाब सिंह कंवर 'गुलाब' व संजयकुमार पटेल ने छत्तीसगढ़ीकविता: रचना धर्मिता विषय पर बोलते हुए पूरे माहौल को छत्तीसगढ़ी गीतमय बना दिया। प्रति दिन कार्यशाला के अंत में छात्र धनुंजय जायसवाल के द्वारा सांगीतमय छत्तीसगढ़ी गीत की प्रस्तुति की गई। समस्त वक्ता अंतिथियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर आभार व्यक्त किया गया। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ० रमेश टण्डन के अध्यक्षीय उद्घोषण से प्रारम्भ कार्यशाला में सबसे पहले माँ शारदे की कांस्य प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन अंतिथियों एवं विभागीय प्राध्यापकों के द्वारा प्रतिदिन किया गया तथा सत्र त्रिवेचन व अंतिथियों का आभार विभागीय प्राप्यापक जयराग कुरें एवं दिनेश संजय के द्वारा किया गया।



Khasia Breaking BLosT

7h · 3

...

छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्धन हेतु सप्ताहिक कार्यशाला
■ एमजी कॉलेज में 22 से 27 नवंबर तक हो रहा
आयोजन... See More



छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्धन के लिये साप्ताहिक कार्यशाला

एमजी कॉलेज में 22 से 27 नवंबर तक हो रहा आयोजन

खबरमिया। 28 नवंबर को छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस होने के उपलक्ष्य में सदाचार भर पूर्ण से छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्धन परिषद, शामकोट महाला गढ़पुरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन में शिटी विभाग के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के तात्त्व 22 नवंबर से 27 नवंबर तक अल्प-अल्प विषयों पर विशेष विशेषज्ञों द्वारा जहाजान प्रसन्नता किए जाने हैं। कार्यशाला का संयोजन एवं अध्यक्षता हिंदी विभागाधक्ष डॉ. आर. के टंडन द्वारा की जा रही है। वही ऑफिसिल प्रोफेसर मंसोद म्हणु, डॉके संवर्धन के द्वारा विशेष महालोग किया जा रहा है। संचालन अधिकारी प्रभायापक डॉ. आकाश दिला के द्वारा किया जा रहा है। कार्यशाला के प्रथम दिन सीमावार को छत्तीसगढ़ी भाषा का स्वरूप और ज्याकरण विषय पर बहुतों के हाथ में भरत ललत नायक एवं विरचन नुक्त, वही भाषावार को छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्घव विषय और ज्याकरण विषय पर बहुत के हाथ में शीमारी विरचन शर्मी ने जहाजान दिया। युपवार को आधुनिक छत्तीसगढ़ी संवर्धन में गृहि यर्पण विषय पर नीतकार एवं हास्य व्यंग्यकार संजय चोहांदार का ज्याकरण हुआ। वही सुनकार को छत्तीसगढ़ी लड़काया होल्डर प्रस्तु देहों के द्वारा सुनाई जाएगी। इनका सुनकार को छत्तीसगढ़ी को लोक संवादित के विषय में कवित्यारी शीमारी बोरोट कून्ह का जहाजान होना है तथा नीतकार को छत्तीसगढ़ी वारिता, लोत के प्रतिद्वंद्वीविजय शुल्क नीतकार के द्वारा प्रसन्नता दी जाएगी।



तिंग बुलाका गया भर्ती विषये उसके परिजनों द्वारा कर लिया जाता है कि दान में तो कूछ छाला है

महाविद्यालय खरसिया में छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला सम्पन्न

हिन्दी विभाग का साप्ताहिक आयोजन

प्रभाकर छत्तीसगढ़ी भाषा

28 नवम्बर 2021 तक शासकीय विभाग

परिषद् प्रधारी द्वारा महाविद्यालय

खरसिया के हिन्दी विभाग में

छत्तीसगढ़ी भाषा सामाजिक परिषद् के

द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा विवरण

कार्यशाला का आयोजन किया गया।

परिषद् प्रधारी द्वारा सेशन दृष्टिकोण

के मुख्य संयोजन, प्रोटोकॉल कुर्स तथा

प्रोटोकॉल संवय के लिए संयोजन में

आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिविन

अलग-अलग विषय वर्तमान गर

निषेध विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान हुआ।

कार्यशाला के द्वारा छत्तीसगढ़ी

सामिलता के कारि व लेखकों द्वारा

विद्या के सब अन्तर्विचारों को एम

ए. हिन्दी के लिए तक प्राप्यका

सामूहिक किया। प्रथम दिवस,

कविताप्रति भरत नाथक व विद्यम गुप्त के

द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के व्यवहार और

स्थानकरण पर प्रस्तुति दी गई।

विभागीय व्याख्याता द्वारा

आकांक्षा मिथा के मध्य संचालन में



कार्यशाला के द्वितीय दिवस, वायाचिती किरण रायी द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्घाटन, विकास और व्यापकण पर अपने विचार में ज्ञानों का विवरण द्वारा आवाज़ किया। प्राच्यार्थ द्वारा द्वारा यथात्री द्वारा युतालहरी के सरकार में शम्पाव द्वारा कार्यशाला के गुरुत्व दिवस, प्रसिद्ध हास्य व्यापक व गोपनीय संज्ञा विविदार ने आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत गाया। विषय पर ज्ञानों जो प्रेरक जानकारी देने हुए शृंखला। आइ बन ए दो यात्रावायक प्रोटोकॉल साइ के मह-संयोजन में कार्यशाला के चतुर्थ दिवस, कठानीका द्वारा

प्रसाद द्वारा ने अटकन-अटकन दर्ता गतकाल जैसे छोटे-छोटे प्रांगणों एवं छत्तीसगढ़ी कथाओं के साथम में उत्तीर्णणी लघु कथा विषय पर ज्ञान आवाज़ किया। प्रतिविन द्वारा यथात्री द्वारा युतालहरी के सरकार में शम्पाव द्वारा कार्यशाला के गुरुत्व दिवस, प्रसिद्ध हास्य व्यापक व गोपनीय संज्ञा विविदार ने आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत गाया। विषय पर ज्ञानों जो प्रेरक जानकारी देने हुए शृंखला। आधुनिक दो यात्रावायक प्रोटोकॉल में सेवानिकृत प्राचारी यात्रावायक द्वारा ने छत्तीसगढ़ी को लोक संस्कृति विषय पर व्याख्याता देने हुए जापा; छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति एवं स्वाच्छाय आदि पर विशेष जान किया।

भाषा संवर्द्धन पर कार्यशाला का आयोजन



खरसिया, 28 नवम्बर छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर 22 से 27 नवम्बर तक शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तार महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिषद प्रभारी डॉ. रमेश टण्डन के मुख्य संयोजन, प्रो. जयराम कुरेतथा प्रो. दिनेश संजय के सह संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिदिन अलग-अलग विषय वस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ। कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्य के कवि व लेखकों ने पूरी विद्वता के साथ अपने विचारों को एम.ए.हिन्दी के छात्रों तक प्रत्यक्ष सम्प्रेषित किया। प्रथम दिवस, कविद्वय भरत नायक व निर्भय गुप्ता के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप और व्याकरण पर प्रस्तुति दी गई। विभागीय अतिथि व्याख्याता डॉ. आकांक्षा मिश्ना के मंच संचालन में कार्यशाला के द्वितीय दिवस, कवियत्री किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी

भाषा के उद्घव, विकास और व्याकरण पर अपने विचार से छात्रों को अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. पीसी धृतलहरे के संरक्षण में सम्पन्न इस कार्यशाला के तृतीय दिवस प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य व गीतकार संजय बहिदार ने आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत परम्पर विषय पर छात्रों को प्रेरक जानकार देते हुए खूब हँसाया। आईन्यूएसी समन्वयक प्रो. मनोज साहू के सह-संयोजन में कार्यशाला के चतुर्थ दिवस, कहानीकार हर प्रसात ढेढे ने अटकन-बटकन दर्ह चटकन जैसे छोटे-छोटे प्रसंगों एवं छत्तीसगढ़ी कथाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ी लघु कथा विषय पर व्याख्यान दिया। छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के छात्र पदाधिकारी गायत्री, दुर्गा, दिवंकल, भारती कीर्तन, कौशिल्या सहित धनुंजय वैज्ञानिक, प्रियंका, शारदा, मुकेश श्रिया, संदीपा, श्वेता, अंजना नमिता आदि अनेक छात्र-छात्राओं के सहयोग से सम्पन्न इस कार्यशाला का लाभ एम.ए.हिन्दी के लगभग सभी छात्रों ने उठाया।

खरसिया कॉलेज में छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला संपन्न



कार्यशाला के दौरान उपस्थित अतिथि व अन्य।

हिन्दी विभाग का सासाहिक आयोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

खरसिया, छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर 22 से 27 नवंबर तक शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य परिषद के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा संवर्द्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। परिषद प्रभारी डॉ. रमेश टण्डन के मुख्य संयोजन, प्रो. जयराम कुर्म तथा प्रो. दिनेश संजय के सह संयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिदिन अलग-अलग विषय वस्तुओं पर विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान हुआ। कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्य के कवि व लेखकों ने पूरी विद्वता के साथ अपने विचारों को एमए हिन्दी के छात्रों तक प्रत्यक्ष संप्रेषित किया।

प्रथम दिवस, कविद्वय भरत

नायक व निर्भय गुप्ता के द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप और व्याकरण पर प्रस्तुति दी गई। विभागीय अतिथि व्याख्याता डॉ. आकांक्षा मिश्न के मंच संचालन में कार्यशाला के द्वितीय दिवस, कवियित्री किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्घव, विकास और व्याकरण पर अपने विचार से छात्रों को अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. पीसी घृतलहरे के संरक्षण में संपन्न इस कार्यशाला के तृतीय दिवस, प्रसिद्ध हास्य व्यग्र व गीतकार संजय बहिद्वार ने आधुनिक छत्तीसगढ़ी साहित्य में गीत परम्परा विषय पर छात्रों को प्रेरक जानकारी देते हुए खूब हँसाया। आईक्यूएसी सम्बन्धक प्रो. मनोज साह के सह-संयोजन में कार्यशाला के चतुर्थ दिवस, कहानीकार हर प्रसाद ढेरे ने छोटे-छोटे प्रस्तुतियों एवं छत्तीसगढ़ी कथाओं के माध्यम से लघु कथा विषय पर व्याख्यान दिया। प्रतिदिन छात्रा गायत्री डनसेना के द्वारा छत्तीसगढ़ी गाय गीत का गायन किया।